# INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

| Class: VII- 2nd Lang | Department: Hindi | Class Work |
|---|---|---|
| Lesson 11- नीलकंठ | Topic: प्रश्नोत्तर और व्याकरण | Note: Pl File in portfolio |

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1. बड़े मियाँ कौन थे?

उत्तर- बड़े मियाँ चिड़ियों के सौदागर थे।

प्रश्न2. लेखिका ने मोर-मोरनी को कितने रूपए में ख़रीदा था?

उत्तर- लेखिका ने पैंतीस रुपए में ख़रीदा था।

प्रश्न3. काले-काले बादलों को देखते ही नीलकंठ क्या करता था**?**

उत्तर- काले-काले बादलों को देखते ही नीलकंठ पंखों को मंडलाकार बनाकर नाचता था।

प्रश्न4. बड़े मियाँ ने किससे मोर के बच्चों को खरीदा था?

उत्तर- बड़े मियाँ ने शंकरगढ के एक चिड़ीमार से मोर के बच्चों को ख़रीदा था।

प्रश्न5. विदेशी महिलाएँ नीलकंठ को क्या कहती थीं?

उत्तर- विदेशी महिलाएँ नीलकंठ को 'परफैक्ट जेंटिलमैन' कहती थीं|

## लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1. मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

उत्तर- मोर की गरदन नीली थी, इसलिए उसका नाम नीलकंठ रखा गया जबकि मोरनी मोर के साथ-साथ रहती थी अतः उसका नाम राधा रखा गया।

प्रश्न2. लेखिका ने ड्राइवर को किस ओर चलने का आदेश दिया और क्यों?

उत्तर- लेखिका ने स्टेशन से लौटते समय ड्राइवर को बड़े मियाँ की दुकान की ओर चलने का आदेश दिया क्योंकि उन्हें चिड़ियों और खरगोशों की दुकान की याद आ गई थी|

प्रश्न3.वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए जालीघर घर में बंद रहना कठिन क्यों हों जाता था?

उत्तर- वसंत ऋतु मोर की प्रिय ऋतु होती है| इसमें पेड़ों पर नए पत्ते आते हैं, आम के पेड़ों पर बौर(फूल)आते हैं, अशोक नए लाल पत्तों से भर जाते हैं। वातावरण में खुशबू फ़ैल

जाती हैं। इसलिए वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए बंद रहना कठिन हो जाता था।

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न1. लेखिका को नीलकंठ की कौन-कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

उत्तर-नीलकंठ देखने में बहुत सुंदर था| वैसे तो उसकी हर चेष्टा ही अपने आप में आकर्षक थी लेकिन महादेवी को निम्न चेष्टाएँ अत्यधिक भाती थीं जैसे-

1 गर्दन ऊँची करके देखना और पानी पीना।

2 विशेष भंगिमा के साथ गर्दन नीची कर दाना चुगना।

3 गर्दन को टेढ़ी करके शब्द सुनना।

4 महादेवी के हाथों से धीरे-धीरे चने उठाकर खाना।

5 महादेवी के सामने पंख फैलाकर खड़े होना

प्रश्न2. जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का किस प्रकार स्वागत हुआ?

उत्तर- मोर के शावकों को जब जाली के बड़े घर में पहुँचाया गया तो दोनों का स्वागत ऐसे किया गया जैसे नव वधू के आगमन पर किया जाता है। लक्का कबूतर नाचना छोड़ उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूं-गुटरगूं करने लगा, बड़े खरगोश गंभीर भाव से कतार में बैठकर उन्हें देखने लगे। छोटे खरगोश उनके आसपास उछल-कूद मचाने लगे। तोते एक आँख बंद करके उन्हें देखने लगे।

## व्याकरण भाग-

प्रश्न-**1**. दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाकर लिखिए|

1. अन – अनमोल अनपढ़
2. पर - परहित परलोक
3. प्रति - प्रतिवर्ष प्रतिदिन
4. अध – अधजला अधमरा
5. भर - भरपूर भरसक
6. खुश - खुशनुमा खुशहाल
7. हर - हरदिन हरसाल
8. उन - उनचास उनतीस

प्रश्न-**2**. दिए गए प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाकर लिखिए|

1. दान - पानदान कमलदान
2. इका - बालिका अध्यापिका
3. मान - शक्तिमान अपमान
4. हार - होनहार चित्रहार
5. त्व - ममत्व देवत्व
6. ईन - कालीन नवीन
7. इक - मौखिक धार्मिक
8. खाना - डाकखाना मुर्गीखाना

**प्रश्न-3** (वाक्यांश) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए|

| | | |
|---|---|---|
| 1 | जो अपने देश से प्रेम करता हो | देशप्रेमी |
| 2 | जिसकी सीमा न हो | असीम |
| 3 | जिसमें दया हो | दयालु |
| 4 | जिसके हाथ में चक्र हो | चक्रपाणि |
| 5 | जिसके नीचे रेखा हो | रेखांकित |
| 6 | जो किसी पद का उम्मीदवार हो | प्रत्याशी |
| 7 | जिस पर किसी का अंकुश न हो | निरंकुश |
| 8 | जिसका कोई आधार न हो | निराधार |

*****************************************